Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2016 = 6.17, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.49366, MAR–APR, 2018, VOL- 5/44

सह–शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर अध्ययन

रचना गुप्ता[1] & शालिनी पाण्डेय[2]

[1] *शोधार्थी, प्रगत शैक्षिक अध्ययनशाला संस्थान, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर म. प्र.*

[2] *प्राचार्या, आर. बी. एस. कॉलेज, पोरसा, मुरैना म. प्र.*

Abstract

शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रकिया है, शिक्षा का मूल्य उद्देश्य मनुष्य में सुप्त शक्तियों का अनावरण कर उनका सही दिशा में विकास करना है, और उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं सुयोग्य बनाना है। इसलिये शोधार्थी ने सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्म विश्वास पर अध्ययन का चयन किया है। जिसमें ग्वालियर शहर के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तीन एकल एवं तीन सह शिक्षा विद्यालयों को सौदेश्य विधि द्वारा चयन किया गया है। कुल मिलाकर 400 विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु चयन किया गया है। प्रदत्तों के संकलन हेतु ***डी.डी. पाण्डेय (1998)*** *–Panday SelfConfident inventory एवं* ***एम.एल. शाह एवं अमिता शाह*** *द्वारा निर्मित Academic climate description questionnaire (ACDQ) स्केल का प्रयोग किया गया । प्रस्तुत प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है । निष्कर्ष में पाया गया है कि विद्यालय का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को धनात्मक रूप से प्रभावित करता है।*

की–वर्ड – सहशिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालय, शैक्षिक वातावरण, आत्मविश्वास,

'शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क और आत्मा में पाये जाने वाले सर्वोत्तम गुणों की अभिव्यक्ति से है।''

–महात्मा गांधी

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना :

शिक्षा वह साधन है जिसके द्वारा समाज के व्यक्तियों के विचारों, आदर्शो, आदतों, और दृष्टिकोणों में परिवर्तन करके समाज की प्रगति की जाती है। शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रकिया है सह शिक्षा से तात्पर्य ऐसे विद्यालय जहां बालक तथा बालिकाऐं साथ – साथ मिलकर अध्ययन करते है। सह शिक्षा विद्यालयों में युवावर्ग सभी गतिविधियों में व सामाजिक कायो में एक साथ सुखद व अच्छे वातावरण में भाग लेते है तथा सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में छात्र तथा छात्रायें अपने विचार ठीक प्रकार से व्यक्त करने के लिये कक्षा में स्वतंत्र होते है। सह शिक्षा के द्वारा सामाजिक तथा व्यक्तिगत विकास अच्छी तरह से होता है तथा दोनो लिंगो को एक दूसरे को स्वतंत्र रूप से जानने में सहायता मिलती है जिससे भविष्य में उज्जवल तथा लम्बे समय तक स्थायी संबंध बनाने में मदद मिलती है।

विद्यालय का शैक्षिक वातावरण छात्रों के सर्वांगीण विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वास्तव में शिक्षा के क्षेत्र में कोई नवीन परिवर्तन या शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि हेतु किया जाने वाला प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक कि विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण बेहतर नहीं बनाया

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

जाता। दूसरे शब्दों में हम कह सकते है कि शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थी के अग्रिम जीवन पर बहुत ही गहरा एवं व्यापक प्रभाव पड़ता है । शोध परिणामों से पता चलता है कि विद्यालय का वातावरण एवं विद्यालय के लोग विद्यार्थी के कई क्षेत्रो को प्रभावित कर सकते हैं। जैसे –नकारात्मक वातावरण समस्याओं का उभार सकता है, वहीं सकारात्मक वातावरण छात्रों की शैक्षिक सफलता एवं व्यक्तित्व गुणों जैसे – आत्मविश्वास, आदि का सार्थक रूप प्रदान कर सकता है।

आत्म–विश्वास व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण कारक है, जो कि जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित करता है । सीखाने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आत्म विश्वास वह शक्ति है जो व्यक्ति को रचनात्मक सृजनात्मक बनाकर सक्रिय और उत्साहित करती है इसलिये भारत जैसे विकासशील एवं प्रगतिशील देश में बच्चों के आत्म विश्वास को मजबूत बनाने की आवश्यकता है क्योंकि वे ही कल के नागरिक है। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के विकास में विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान होता है और शैक्षिक वातावरण इसके लिए काफी जिम्मेदार होता है।

इस प्रकार हम कह सकते है कि विद्यालय का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। इस कारण से शोधकर्ता के मन में यह अध्ययन करने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थीयों के आत्मविश्वास स्तर पर कैसा प्रभाव पडता है।

उद्देश्य :

1. सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का अध्ययन करना।
2. सह शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।
3. सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।
4. एकलशिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।
5. सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के निम्न शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।

परिकल्पनायें :

1. सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. सह शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. एकलशिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पडता है।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

4. सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
5. सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के निम्न शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

अध्ययन विधि –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श चयन –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में ग्वालियर शहर के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित तीन एकल एवं तीन सह शिक्षा विद्यालयो को सौदेश्य विधि द्वारा चयनित किया गया है। अंतिम रूप से चर्यानत विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के 400 विद्यार्थियों काचयन किया गया ।

उपकरण –

शोध के संदर्भ में प्रदत्तों के संकलन हेतु **डी.डी. पाण्डेय (1998)** –Panday SelfConfident inventory एवं **एम.एल. शाह एवं अमिता शाह** द्वारा निर्मित Academic climate descr,ption questionnaire (ACDQ) स्केल का प्रयोग किया गया ।

सांख्यिकी प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन के संदर्भ में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक प्रविधियों में मध्यमान, मानक विचलन तथा निवचनात्मक सांख्यिकी प्रविधि में क्रांतिक अनुपात का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं विवेचन :

1. **सह शिक्षा एवं एकल विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का अध्ययन करना।**

तालिका क्रमांक –1

सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात मान

स.क्र	विद्यालय का प्रकार	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	परिणाम
1.	सह शिक्षा विद्यालय	100	115.91	14.67		0.01
2.	एकल शिक्षा विद्यालय	120	103.79	20.35	5.090	सार्थक

उपरोक्त तालिका 1 से स्पष्ट है कि दोनों समूहों के लिए क्रांतिक अनुपात (C.R.) 5.090 है गणना से प्राप्त मान 0.05 एवं 0.01 सार्थकता स्तर पर 1.96 होता है जो कि इन दोनों स्तरों से अधिक है अर्थात हमारी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है एवं शोध परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

अतः हम कह सकते है कि सह शिक्षा एवं एकल शिक्षा विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण में सार्थक अंतर है।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

2. **सह शिक्षा विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।**

तालिका क्रमांक –2

सह शिक्षा विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण तथा निम्न शैक्षिक वातावरण के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात मान

स.क्र	विद्यालय का प्रकार	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	परिणाम
1.	उच्च शैक्षिक वातावरण	184	18.79	6.26	2.196	0.01
2.	निम्न शैक्षिक वातावरण	42	17.58	1.96		सार्थक

उपरोक्त तालिका 2 के अध्ययन से ज्ञात होता है कि सह शिक्षा विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 18.79 तथा प्रमाणिक विचलन 6.26 है। निम्न शैक्षिक वातावरण के आत्मविश्वास का मध्यमान 17.58 तथा प्रमाणिक विचलन 1.96 है। तथा दोनो समूह के लिए क्रांतिक मान 2.196 है जो 1.96 से अधिक है इसलिये हमारी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है और शोध परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

अतः हम यह कह सकते हैं कि सह शिक्षा विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

3. **एकल विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।**

तालिका क्रमांक –3

एकल शिक्षा विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण तथा निम्न शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात का मान

स.क्र	विद्यालय का प्रकार	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	परिणाम
1.	उच्च शैक्षिक वातावरण	147	19.16	5.63		0.01
2.	निम्न शैक्षिक वातावरण	64	17.73	2.19	2.698	सार्थक है

उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 19.16 तथा प्रमाणिक विचलन 5.63 है दूसरी ओर निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 17.73 तथा प्रमाणिक विचलन 2.19 है। दोनों मध्यमानों का अन्तर 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है इसका तात्पर्य है कि प्रस्तुत अध्ययन में एकल शिक्षा विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

4. **सह शिक्षा एवं एकलशिक्षा विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।**

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका क्रमांक –4

सह शिक्षा एवं एकल विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात मान

स. क्र	उच्च शैक्षिक वातावरण	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	परिणाम
1.	उच्च शैक्षिक वातावरण	167	21.79	6.46		0.01
2.	निम्न शैक्षिक वातावरण	137	19.16	3.23	4.614	सार्थक

उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 21.79 तथा प्रमाणिक विचलन 6.46 है दूसरी ओर निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 19.16 तथा प्रमाणिक विचलन 3.23 है। दोनों मध्यमानों का अन्तर 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है । इसका तात्पर्य है कि प्रस्तुत अध्ययन में एकल शिक्षा विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

अतः हम कह सकते है कि सह शिक्षा एवं एकल विद्यालयों के उच्च शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों की आत्मविश्वास पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पडता है।

तालिका क्रमांक –5

सह शिक्षा एवं एकल विद्यालयों के निम्न शैक्षिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन, एवं क्रांतिक अनुपात का मान ।

स. क्र	उच्च शैक्षिक वातावरण	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	परिणाम
1.	सह शिक्षा विद्यालय	43	12.73	3.10	9.165	0.01 सार्थक
2.	एकल विद्यालय	64	17.58	1.96		

उपरोक्त तालिका क्रमांक 5 के अध्ययन से ज्ञात होता है कि सह शिक्षा एवं एकल विद्यालयों के निम्न शैक्षिक वातावरण के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 12.73 तथा प्रमाणिक विचलन 3.10 है तथा एकल विद्यालय के निम्न शैक्षिक वातावरण के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 17.58 तथा मानक विचलन 1.96 है तथा दोनों समूहों के लिए क्रांतिक मान 9.1165 इसलिये हमारी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है और शोध परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

अतः हम कह सकते है कि सह शिक्षा एवं एकल विद्यालयों के निम्न शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

निष्कर्ष :

1. एकल विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की अपेक्षा सह शिक्षा विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्म प्रदर्शन, साहस, निर्भीकता एवं प्रतिस्पर्धा की भावना अधिक पायी गयी है। चूंकि विद्याथियों का आत्म प्रदर्शन उनका साहस, निर्भीकता एवं प्रतिस्पर्धा किस विद्यालय में शैक्षिक वातावरण के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं, इस कारण उपर्युक्त अंतर पाया गया।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

2. विद्यालय में शैक्षिक वातावरण के अनुसार ही विद्यार्थियों का आत्मविश्वास होता है। यदि विद्यालय का शैक्षिक वातावरण उच्च होगा तो विद्यार्थियों का आत्मविश्वास उच्च होगा और यदि विद्यालय का शैक्षिक वातावरण निम्न होगा तो विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी निम्न स्तर का होगा, क्योंकि विद्यालय का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को धनात्मक रूप से प्रभावित करता है।
3. समान स्तर के शैक्षिक वातावरण को प्रदान करने पर विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी समान स्तर का होगा। यहां एकल एवं सह शिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास का स्तर लगभग समान होने के कारण यही है कि यह दोनो ही उच्च शैक्षिक वातावरण को ही प्राप्त कर रहे है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

Guilford, J.P., 1978 Fundamental Statistics in Psychology and education Newyorks Mcgravo hill book.

Kapil, H.K. 995] Elements of Statistics in social science, Vinod Pustak Mandir, Agra.

Kaul, Lokesh, 2004, Methodology of Education Research, Vikas Publishing house Pvt. Ltd. New Delhi.

Saraswati, Malti, 2003, Shiksha Manovigyan Ki Rurekha, Alok Prakashan, Lucknow.

Panday, K.P. 2007, Advanced Educational Psychology, Vishwavidyalaya Prakashan, Varanashi.

Sharma, R.A., 2004 Essential of Measurement in Education and Psychology, Surya Publications, Meerut.

Skinner, Charles E. 2008, Essentials of Education Psychology, Surjeet Publications, Delhi.

Varma Preeti and Shrivastava, D.N. 1995 Modern Normal Psychology, Vinod Pustak Mandir, Agra.

Tripathi, Madhusudhan, 2007 Education Research and Statistics Omega Publication, New Delhi.

Bhargava, Mahesh, 1997, Modern Psychology Testing and Measurement National Psychology Corporation, Agra.

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies